एक नजर में

जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण में मिली कई खामियां, दिए सुधार के निर्देश

छतरपुर, 17 जनवरी. नगर में कायाकल्प योजना के अंतर्गत जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के लिए गठित दो सदस्यीय टीम ने अस्पताल परिसर, वार्डों और विभिन्न विभागों में साफ-सफाई, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं की गहन जांच की. निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था, शौचालयों की स्थिति, वार्डों की साफ-सफाई, बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन और मरीजों की मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया. इस दौरान कुछ स्थानों पर व्यवस्थाओं में कमियां पाई गईं, जिस पर टीम ने नाराजगी जताई. निरीक्षण के उपरांत संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए टीम ने सिविल सर्जन को स्पष्ट निर्देश दिए कि चिन्हित कमियों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र दूर किया जाए. साथ ही अस्पताल में नियमित निगरानी, साफ-सफाई व्यवस्था को मजबूत करने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया. कायाकल्प योजना के तहत किए जा रहे ऐसे निरीक्षणों का उद्देश्य जिला अस्पताल की सेवाओं को बेहतर बनाना और मरीजों को स्वच्छ, सुरक्षित व सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है. अधिकारियों का कहना है कि सुधार कार्यों की प्रगति पर आगे भी नजर रखी जाएगी.

रोजगार मेले में 580 युवाओं का हुआ चयन

सीहोर. युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय आईटीआई में युवा संगम रोजगार-स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया गया. रोजगार मेले में अनेक कंपनियों द्वारा युवाओं का साक्षात्कार लिया गया तथा योग्यता के अनुसार चयन किया गया. रोजगार मेले में 616 युवक-युवतियों ने अपना पंजीयन कराया था. जिसमें 13 कंपनियों द्वारा 580 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया. मेले में उद्योग विभाग द्वारा 12 हितग्राहियों को 41 लाख 48 हजार 922 रुपए का स्वरोजगार ऋण वितरण किया गया. इस अवसर पर लीड बैंक अधिकारी जयदीप भट्टाचार्य, उद्योग विभाग महाप्रबंधक अनुराग वर्मा, प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी स्वप्निल श्रीवास्तव, डीपीएम दिनेश बर्फा, प्रबंधक संदीप उइके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने दिया वर-वधु को आशीर्वाद

सीहोर. कांग्रेस नेता जसबीर सिंह खनूजा प्रदेश महामंत्री कांग्रेस सद्भावना एवं कौमी एकता प्रकोष्ठ पूर्व परिवहन कांग्रेस प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष के भतीजे के विवाह समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद दिग्विजय सिंह शामिल हुए व वर-वधु को आशीर्वाद दिया .इस मौके पर पूर्व नपाध्यक्ष राकेश राय, पवन राठौर, महेन्द्र सिंह खनूजा, पपिन्दर सिंह खनूजा, जसपाल सिंह खनूजा, पूनीत खनूजा, राजेन्द्र वर्मा, जयंत शाह, हरीश राठौर उपस्थित थे.

भागवत कथा 22 से कथास्थल का हुआ भूमि पूजन

सीहोर. हनुमान फाटक मंदिर कस्बा में श्रीमद् कथा का आयोजन 22 से 28 जनवरी तक दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतिदिन होगी. श्रीमद् भागवत पुराण कथा वाचक भागवत भूषण पं. रविशंकर तिवारी द्वारा किया जाएगा. श्रीमद् भागवत कथा के लिए शुक्रवार को भूमि पूजन एवं ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ. माता हिंगलाज माता मंदिर भावसार धर्मशाला से कलश यात्रा निकाली जाएगी. तत्पश्चात मुख्य पुजारी शेषनारायण तिवारी के आशीर्वाद से पं. रविशंकर तिवारी प्रथम दिवस भागवत का महत्व बताएंगे.

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जरूरी योजना : राठौर

सीहोर. लाड़ली बहना योजना महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बेहद जरूरी है. क्योंकि यह उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाती है, जिससे वे परिवार के निर्णयों में अहम भूमिका निभा पाती हैं, स्वास्थ्य और पोषण में सुधार होता है, और समाज में उनका सम्मान बढ़ता है.

4 दिन से लापता युवक का शव मिला

सीसीटीवी और मौके से मिले सामान के आधार पर तालाब में कूदने की आशंका

छतरपुर, 17 जनवरी. शहर के प्रतापसागर (बड़े तालाब) में शनिवार को चार दिनों से लापता युवक फरीद का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई. पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लगातार चार दिन से उसकी तलाश में जुटी हुई थी.

शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस को जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज मिले, जिनमें फरीद मंगलवार रात तालाब की दिशा में जाता हुआ दिखाई दिया. इसके अलावा तालाब किनारे उसकी स्कूटी और चप्पलें भी मिली थीं. इन साक्ष्यों के आधार पर शुरू से ही यह आशंका जताई जा रही थी कि युवक ने तालाब में छलांग लगाई होगी. सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी के अनुसार, घटना की सूचना मिलने के बाद से ही एसडीआरएफ और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी थी.

परिजनों ने बताया कि फरीद मेडिकल क्षेत्र से जुड़ा हुआ था. मंगलवार रात करीब 10:30 बजे वह अपनी दुकान से निकला था और पहले अपने मालिक को घर छोड़कर आया. इसके बाद उसने परिवार से फोन पर कहा था कि वह थोड़ी देर में लौटेगा, लेकिन कुछ समय बाद उसका मोबाइल व्यस्त आने लगा और फिर बंद हो गया. परिवार के अनुसार युवक का विवाह आगामी मार्च माह में तय था. फरीद के चाचा मोहम्मद सलीम ने बताया कि परिवार इस घटना से गहरे सदमे में है और किसी पारिवारिक या व्यक्तिगत तनाव की जानकारी से इनकार किया है. फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा. इस घटना ने पूरे इलाके में शोक और चिंता का माहौल बना दिया है.

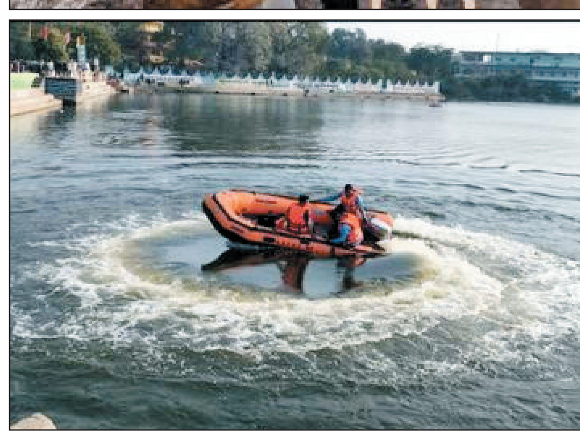

कीरतपुरा में स्कूल गेट पर शराबी ने किया तांडव

- शिक्षकों को दी जान से मारने की धमकी
- लाठी-डंडे और पत्थर बरसाने का वीडियो वायरल

छतरपुर, 17 जनवरी. तहसील क्षेत्र के कीरतपुरा गांव में एक शराबी युवक द्वारा स्कूल परिसर के बाहर किए गए उत्पात का मामला सामने आया है.

घटना करीब 15 दिन पुरानी बताई जा रही है, लेकिन इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सामने आया है. वीडियो बीती शाम सार्वजनिक हुआ, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया. वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि नशे में धुत युवक स्कूल के गेट पर खड़े होकर शिक्षकों को खुलेआम जान से मारने की धमकी दे रहा है. इतना ही नहीं, वह हाथ में लाठी-डंडे लिए हुए नजर आ रहा है और पत्थर भी फेंकता दिखाई दे रहा है. वीडियो में उसकी आवाज साफ सुनाई दे रही है, जिससे घटना की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है.

घटना के समय स्कूल परिसर में मौजूद शिक्षकों और स्टाफ में भय का माहौल बन गया था. ग्रामीणों के अनुसार, युवक का व्यवहार पूरी तरह उग्र और असामान्य था, जिससे किसी बड़ी अनहोनी की आशंका बनी रही. लोगों ने आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में स्कूल जैसे संवेदनशील स्थानों पर इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो.

बाल श्रमिकों से कार्य कराने की शिकायत

नवभारत न्यूज

भैरूंदा 17 जनवरी. जिले के सीलकंठ गांव में सड़क और नाली निर्माण कार्य में बाल श्रमिकों से काम कराने का मामला सामने आया है. सामाजिक कार्यकर्ता इंद्राज बरखने ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई है। निर्माण स्थल पर एक नाबालिग बालिका द्वारा काम करने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इंद्राज बरखने ने अपनी शिकायत में बताया कि गांव में पंचायत द्वारा कराए जा रहे इस निर्माण कार्य में ठेकेदार राजेश पंवार बाल श्रमिकों का उपयोग कर रहे हैं. आरोप है कि एक दर्जन से अधिक नाबालिग मजदूरी कर रहे हैं. शिकायतकर्ता के अनुसार, ठेकेदार इन मजदूरों को बैतूल जिले से लाया है. बच्चों से खतरनाक और जोखिम भरा काम कराया जा रहा है, जिससे उन्हें गंभीर चोट लगने का खतरा है.

विधायक यादव ने निजी निवास पर की जनसुनवाई

- समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

छतरपुर, 17 जनवरी. विधायक ललिता यादव ने अपने निजी निवास पर क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं. इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी व्यक्तिगत और क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर पहुंचे.

विधायक ने सभी की बात गंभीरता से सुनी और संबंधित विषयों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया. विधायक ललिता यादव ने कहा कि जनता की समस्याएं सुनना जनप्रतिनिधि का दायित्व है और उनका समयबद्ध समाधान करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा है. उन्होंने बताया कि इस प्रकार की जनसुनवाई से वास्तविक समस्याएं सामने आती हैं और शासन-प्रशासन तक सही जानकारी पहुंचती है. उन्होंने कहा कि निजी निवास पर हुई यह मुलाकात जनसेवा के संकल्प को और मजबूत करती है. उनकी प्राथमिकता प्रभावी नीतियों को लागू करना, क्षेत्र में तेज विकास कार्य कराना व हर नागरिक तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है.

मालपुर की आंगनवाड़ी भवन की दीवारों पर दरारें

- मालपुर में आंगनवाड़ी क्रमांक एक का मामला

चंदला, 17 जनवरी. गौरीहार जनपद के गौरीहार महिला बाल विकास के अंतर्गत ग्राम पंचायत मालपुर में आंगनवाड़ी क्रमांक 1 की दीवारों में दरारें आ गई है, जो कि अभी तक लोकार्पण नहीं हुआ है चालू नहीं की है.

देखा जा रहा है कि निर्माण कार्य हुआ तो है लेकिन आज तक बाउंड्री के अंदर नीचे फर्श नहीं डाली है. कार्यकर्ता की भी ग्रामीणों ने पोल खोल दी थी. ग्राम मालपुर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बड़ी कोताही बरती जा रही है. 6 वर्ष से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पोषण आहार वितरण नहीं किया गया है, न ही नवजात शिशुओं की देखरेख की जाती है, कभी भी आज तक शिशुओं की देखभाल करने के लिए ग्रामीणों के घर नहीं पहुंची है. ग्राम मालपुर के ग्रामीण शिवराज प्रजापति, कालीचरण प्रजापति, लवलेश अनुरागी तथा अन्य ग्रामीणों ने बताया कि यह आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1, 2018-19 में निर्माण की गई थी आज तक इसको संचालित नहीं किया है. आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा पूरे गाँव में पोषण आहार वितरण नहीं किया है, जो आवाज उठाते है, उनको धमकाया जाता है. मातृवंदना योजना तथा लाड़ली लक्ष्मी जैसी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता है. केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार की योजनाओं का सीधे पालीदा लगाया जाता है. मालपुर गांव एक हजारों की संख्या की आबादी वाला गांव है, जिसमें लगभग 50 से ज्यादा नवजात शिशु बताए जा रहे है, जिसमें सरकारी लाभ से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा वंचित किया जा रहा है. ग्रामीणों का आरोप है कि जब से ये कार्यकर्ता की भर्ती हुई है तब से आज तक किसी भी बच्चों को पोषण नहीं मिल पा रहा है. ग्रामीणों ने बाल विकास परियोजना अधिकारियों पर आरोप लगाते बोले कि गौरीहार के अधिकारियों को यहां से पोषण आहार बेच कर कमीशन दी जाती है, जिससे कोई जिम्मेदार अधिकारी जांच नहीं करते है. ग्रामीणों ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन पर कई बार शिकायतें भी की गई है, लेकिन आज तक निराकरण कर कार्यवाही नहीं की गई है. जानकारी के अनुसार दूसरे की मार्कशीट से भर्ती है, दूसरे का नाम माया पाण्डेय बताया जा रहा है जो अभी भर्ती है वो अनपढ़ है दूसरे की भर्ती हुई थी उसकी जगह पर कार्य कर रही है. आंगनवाड़ी भवन पर सरपंच सचिव के द्वारा बड़ी कोताही बरती गई है, पहले भी यही आंगनवाड़ी केंद्र की छत तोड़ कर दुबारा निर्माण किया गया था लेकिन फिर भी दीवारों में दरारें आ गई है, केंद्र की बाउंड्री बाल पर लम्बी दरारें पड़ गई है,निर्माण कार्य में भी गुणवत्ता का ध्यान नहीं दिया गया है, लेकिन अभी तक इसकी जांच नहीं हुई है. सवाल तो यहां उठ रहा है कि क्या उपयंत्री बिना जांच किए मूल्यांकन कर रहे हैं. ग्रामीणों के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के अंकपत्र एक जांच का विषय बना है, आखिर जांच क्यों नहीं की जा रही है. नसीर छीपा बाल विकास परियोजना अधिकारी गौरीहार द्वारा बोला गया था कि जांच करते है, लेकिन अभी तक अंकपत्र की जांच नहीं की गई है.

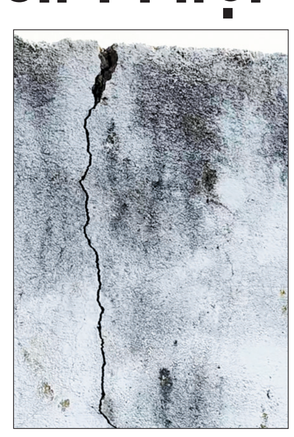

इनका कहना है

आपके द्वारा जानकारी दी गई ह". हम आंगनवाड़ी केंद्र की बिल्डिंग की जांच करवाते है. उपयंत्री को भेज कर या स्वयं करेंगे.

- मधू प्रजापति, एसडीओ लवकुशनगर जनपद

आपके द्वारा जानकारी दी गई है जिसके अनुसार जांच करवाई जाएगी.

- बलबीर रमन, एसडीएम गौरीहार

श्यामपुर मार्ग बनेगा फोरलेन : विधायक

नवभारत न्यूज

सीहोर 17 जनवरी. जिलेवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है. सीहोर से श्यामपुर तक फोर लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा. इस परियोजना की घोषणा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की. यह सौगात क्षेत्रीय विधायक सुदेश राय की अनुशंसा पर मिली है. जानकारी के अनुसार करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाली इस फोरलेन सड़क से सीहोर से श्यामपुर तक आवागमन पहले से कहीं अधिक सुलभ और सुरक्षित होगा. सड़क पर आधुनिक डिवाइडर, स्ट्रीट लाइटिंग सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी, जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी. बताया जाता है कि विधायक सुदेश राय ने इस सड़क निर्माण को लेकर केंद्रीय मंत्री को पत्र भेजकर क्षेत्र की आवश्यकता से अवगत कराया था. उनकी पहल पर अब केंद्रीय सड़क प्राधिकरण द्वारा श्यामपुर से जिला मुख्यालय सीहोर तक सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा. इस अवसर पर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सुदेश राय ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का स्वागत किया.

घने जंगलों के बीच आस्था का शिखर

- स्वर्गेश्वर धाम बना श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र
- 1000 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित प्राचीन स्वर्गेश्वर
- महादेव मंदिर, आल्हा-ऊदल से जुड़ा इतिहास

प्रियंका सिंह, नवभारत

छतरपुर, 17 जनवरी. मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित स्वर्गेश्वर धाम, जिसे स्वर्गेश्वर महादेव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, बुंदेलखंड क्षेत्र की आस्था और संस्कृति का एक प्रमुख केंद्र है.

घने जंगलों के बीच लगभग 1000 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित यह प्राचीन धाम हजारों वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक बना हुआ है. यह पवित्र स्थल छतरपुर जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर चंद्रनगर गांव के समीप स्थित है. मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर 1000 वर्ष से भी अधिक प्राचीन है और इसका उल्लेख आल्हा-ऊदल की ऐतिहासिक कथाओं में मिलता है. प्राकृतिक रूप से समृद्ध इस पहाड़ी पर वर्षा के समय स्वयं प्रकृति द्वारा जलाभिषेक होने की अनुभूति होती है, जिसे भक्त विशेष पुण्यकारी मानते हैं. मंदिर परिसर में विराजमान प्राचीन शिवलिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को लगभग 480 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं. कठिन चढ़ाई के बावजूद भक्तों की आस्था अटूट रहती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं. स्थानीय लोगों का विश्वास है कि स्वर्गेश्वर धाम में सच्चे मन से मांगी गई मनोकामनाएं अवश्य पूरी होती हैं. स्वर्गेश्वर धाम न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह बुंदेलखंड की सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है. यहां आयोजित होने वाली वार्षिक पदयात्राएं और धार्मिक आयोजन इस स्थल के महत्व को और भी बढ़ाते हैं, जिससे यह धाम श्रद्धा, इतिहास और प्रकृति का अद्भुत संगम बन गया है.

उम्मीद जगी ▶ 165 करोड़ की योजना पर शुरू हुआ सर्वे, 90 दिनों में रिपोर्ट तैयार करने का लक्ष्य, नगर पालिका व मुंबई की कंपनी के बीच हुआ अनुबंध

चार साल बाद रफ्तार पकड़ेगा छतरपुर का सीवर प्रोजेक्ट

छतरपुर, 17 जनवरी. शहर के तालाबों को प्रदूषण से मुक्त करने के उद्देश्य से वर्ष 2022 में स्वीकृत सीवर परियोजना लंबे समय तक अटकी रहने के बाद अब धरातल पर उतरती नजर आ रही है.

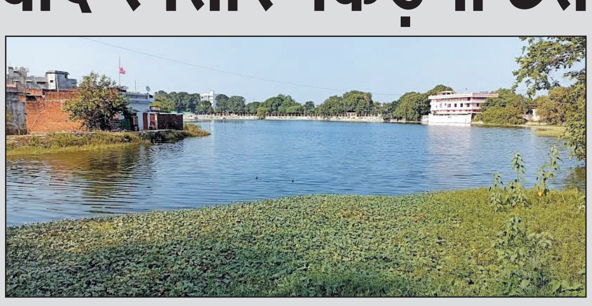

तकनीकी खामियों और प्रशासनिक अड़चनों के कारण पिछले चार वर्षों से ठप पड़ी इस योजना को अब नई दिशा मिली है. नगर पालिका छतरपुर और मुंबई की कंपनी आरएनबी इंफ्रा के बीच अनुबंध होने के बाद परियोजना के तहत सर्वे कार्य शुरू कर दिया गया है. ठेकेदार के कर्मचारियों ने नारायणपुरा रोड से अंतिम सर्वे की शुरुआत की है, जिसे 90 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है. इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर कुल 165 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. सर्वे पूरा होने के बाद तैयार की जाने वाली फाइल का वेरिफिकेशन किसी इंजीनियरिंग कॉलेज से कराया जाएगा. इसके पश्चात इसे अंतिम स्वीकृति के लिए भोपाल भेजा जाएगा. अनुमोदन मिलते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा. परियोजना के तहत शहर के तालाबों को स्वच्छ बनाने के लिए चरणबद्ध योजना तैयार की गई है. शुरुआत में नरायणपुरा और राजनगर रोड पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण किया जाएगा. इसके बाद फ्लौठा और सौंरा तालाब में इंटरमीडिएटर पंपिंग सिस्टम (आईपीएस) स्थापित किया जाएगा, जिससे गंदे पानी को तालाबों से बाहर निकाला जा सकेगा. यह परियोजना तीन चरणों में पूरी होगी. पहले चरण में शहर में पांच पानी की टंकियों का निर्माण किया जाएगा. दूसरे चरण में तालाबों की सफाई और सौंदर्यीकरण किया जाएगा. तीसरे चरण में 324 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन बिछाई जाएगी, साथ ही तीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और तीन पंपिंग स्टेशन बनाए जाएंगे, जो सीवेज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का कार्य करेंगे. पूर्व में यह प्रोजेक्ट तीन वर्ष पहले ही पूरा होना था, लेकिन गुजरात की कंपनी द्वारा डीपीआर समय पर तैयार न करने और बार-बार टेंडर निरस्त होने के कारण काम शुरू नहीं हो सका.

नगर पालिका के उपयंत्री अंकित अरजरिया ने बताया कि निर्माण एजेंसी से अनुबंध हो चुका है और सर्वे कार्य तेजी से चल रहा है. ठेकेदार को अलग-अलग क्षेत्रों में सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि ड्राइंग शीघ्र तैयार हो सके और अनुमोदन प्रक्रिया में देरी न हो .चार साल की प्रतीक्षा के बाद शुरू हुई यह पहल शहर के तालाबों के संरक्षण और स्वच्छता की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है. यदि योजना समय पर पूरी होती है, तो छतरपुर को प्रदूषण से राहत और स्वच्छ जलस्रोतों की नई पहचान मिल सकती है.